समाज में बढ़ रहा है नैतिकता और विश्वसनीयता का संकट- प्रो0धूमल

शिमला, 3 जून, निसं। आज न्यायपालिका और कार्यपालिका का क्या हाल है यह हम सभी के सामने है। आज समाज में नैतिकता और विश्वसनीयता का संकट बढ़ता जा रहा है, यह बहुत बड़ी व्रासदी है। ऐसे में मीडिया अपनी सकारात्मक भूमिका निभाये। यह विचार हिमाचल प्रदेश के मुज़्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के मीडिया प्रभाग द्वारा पंथाघाटी में पत्रकारों के लिए मूल्यनिष्ठ समाज के निर्माण में मीडिया की पहल विषय पर आयोजित राष्ट्रीय मीडिया सेमिनार में बोल रहे थे।

आगे उन्होंने कहा जिस दिन हमारे अन्दर राष्ट् को बचाने की भावना होगी तभी हम बच सकेंगे और हमारी राजनीति भी, ऐसी भावना हर के मन में होनी चाहिए। इसमें मीडिया की भूमिका अहम है। जब संस्कारित पत्रकार होगे, आध्यात्मिकता एवं मूल्यों से परिपूर्ण होंगे तो उनकी लेखनी में ऐसी भावना दिखेगी और उससे मूल्यनिष्ठ समाज के निर्माण का सपना पूरा हो सकेगा।

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलपति डा0 ए0 डी0 एन0 बाजपेयी ने कहा कि पूर्व में मीडिया केवल संदेश पहुंचाने का कार्य करती थी परन्तु आज औद्योगिक घराने का विकास कर रही है। औद्योगिक घराने के लोगों की सोच ही मीडिया को प्रभावित कर रही है। मीडिया को मीडिया का ही काम करते रहना चाहिए। भारतवर्ष की पहचान भौतिकता और अर्थवाद से नहीं बल्कि आध्यात्मिक मूल्यों से है। जब ये मूल्य हम सभी के अन्दर होंगे तब हम एक बेहतर विश्व के बारे में सोच सकेंगे।

वरिष्ठ पत्रकार तथा मुल्यानुगत मीडिया अभिक्रम समिति के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर प्रो0 कमल दीक्षित ने कहा कि बाजारवाद और मूल्यों की कमी से आज समाज में उथल-पुथल की स्थिति खतरनाक है। ऐसे में मीडिया की भूमिका बढ़ जाती है। पत्रकारों को इस संकट से उबारने के लिए सार्थक पहल करनी चाहिए जिससे सुसंस्कारित समाज बन सके। जामिया मिलिया इस्मालिया विश्वविद्यालय दिल्ली के इलेक्ट्रानिक मीडिया के सहायक प्रोफेसर डा सुरेश वर्मा ने कहा कि पत्रकार कर व्यवसाय शब्दों का व्यापार है। पत्रकार अपनी भूमिका को शांतिदूत के रूप में समझे तो उनसे तैयार होने वाली सामग्री सदा लोकहितकारी और आन्तरिक सशक्तिकरण वाली होगी।

मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक दिल्ली के ब्र0 कु0 सुशान्त ने कहा कि पत्रकारिता में आ रही चुनौतियों का सामना करने के लिए पत्रकारों को आन्तरिक रूप से सशक्त होने की जरूरत है। क्योंकि बिना इन चुनौतियों से सबसे ज्यादा प्रभावित पत्रकार होते है। जिसका असर उनके निजी जिन्दगी पर पड़ता है।

मीडिया प्रभाग के मुज़्यालय संयोजक ब्र0 कु0 शान्तनु ने कहा कि सेमिनार का उदेश्य, सेवाकेन्द्र निदेशक ब्र0 कु0 कृष्णा ने राजयोग की विधियों तथा पुणे से आयी ब्र0 कु0 लता ने राजयोग का अज़्यास कराया। माउण्ट आबू से आये ब्र0 कु0 कोमल सभी का स्वागत किया तथा कार्यक्रम का संचालन चण्डीगढ़ की ब्र0 कु0 पूनम ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन ब्र0 कु0 करमचन्द ने किया। कार्यक्रम के प्रारज़्भ में जलगॉव से आयी कुमारी अस्मिता तथा शिमला की कुमारी जेसिका तथा कंचन ने नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का स्वागत किया।